अंक
04

संत मरियम विद्यालय की वार्षिक पत्रिका

अविराम

2025

In the Memory of
Sumitra Devi

LATE SUDAMA PANDIT

LATE SUMITRA DEVI

असतो मा सद्गमय।
तमसो मा ज्योतिर्गमय।
मृत्योर्मा अमृतं गमय।

Lead us from unreal to Real.
Lead us from darkness to the Light.
Lead us from the fear of death,
To knowledge of Immortality

Asat : untrue, unreal, not exsiting
ma : not
sat : truth, existence, being
gamaya : lead me to
tamas : darkness, ignorance
ma : not
jyoti : light
mrtyu : death
amrta : immortality

संपादक की कलम से...

प्रिय पाठको,

यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि हम आपकी रचनात्मकता और विचारों से सजी हमारी वार्षिक विद्यालय पत्रिका "अविराम" का यह नवीन अंक आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहे है।

यह पत्रिका केवल लेखों, कविताओं और चित्रों का संग्रह मात्र नहीं है, बल्कि यह हमारे विद्यालय परिवार की सृजनशीलता, परिश्रम, और समर्पण की अनमोल झलक है।

"अविराम" शब्द अपने आप में एक प्रेरणा है - जो कभी थमता नही, निरंतर आगे बढ़ता रहता है। यह वही भावना है जो हमारे विद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी, शिक्षक और सहयोगी के हृदय में बसती है। हम सबका उद्देश्य यही है कि शिक्षा केवल परीक्षा तक सीमित न रहे, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सकारात्मक सोच और सतत प्रगति का मार्ग बने। इस पत्रिका के माध्यम से हमारे विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाओं, भावनाओं और विचारों को शब्दों में पिरोने का प्रयास किया है।

इन रचनाओं से न केवल उनकी साहित्यिक प्रतिभा झलकती है, बल्कि समाज और संस्कृति के प्रति उनकी संवेदनशीलता भी उजागर होती है। विद्यालय के चेयरमैन श्री अविनाश देव के दूरदर्शी नेतृत्व और प्रधानाचार्य श्री कुमार आदर्श के मार्गदर्शन में संत मरियम स्कूल निरंतर शिक्षा, अनुशासन और संस्कार की नई ऊँचाइयों को छू रहा है। इन दोनों के सशक्त नेतृत्व में विद्यालय परिवार निरंतर "अविराम" की भावना को जीवंत रखे हुए है।

मैं विद्यालय के सभी शिक्षकगण, विद्यार्थियों, और संपादकीय समिति का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके सहयोग से यह पत्रिका साकार रूप ले सकी है। विशेष धन्यवाद उन विद्यार्थियों का जिन्होंने अपनी सृजनशीलता के माध्यम से "अविराम" को जीवंत बनाया। मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका पाठकों को प्रेरित करेगी, नई सोच को जन्म देगी और विद्यालय की पहचान को और भी सशक्त बनाएगी। आप सभी के सुझाव और सहयोग हमारे लिए हमेशा मार्गदर्शक रहेंगे।

अंत में, बस इतना कहना चाहूँगा। "अविराम केवल एक पत्रिका नहीं, यह हमारी सोच, हमारी पहचान और हमारी प्रगति की अनवरत यात्रा है।"

सादर,

विकास विश्वकर्मा

(संपादक, "अविराम" - संत मरियम स्कूल)

Our Activities

चेयरमैन का संदेश...

> ज्ञान के साथ संस्कार और नैतिकता का समन्वय ही वास्तविक शिक्षा है।

प्रिय अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों,

मुझे अत्यंत हर्ष और गर्व की अनुभूति हो रही है कि संत मरियम स्कूल की वार्षिक पत्रिका **"अविराम"** का यह अंक आपके हाथों में है। यह पत्रिका हमारे विद्यालय के शिक्षण-परिवार, विद्यार्थियों और उनके सृजनात्मक विचारों की एक सुंदर प्रस्तुति है। यह केवल लेखों और कविताओं का संग्रह नहीं, बल्कि हमारे विद्यालय की आत्मा, दृष्टिकोण और उपलब्धियों का जीवंत दर्पण है।

संत मरियम स्कूल की स्थापना का उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व का समग्र विकास करना रहा है। हमारा विश्वास है कि सच्ची शिक्षा वही है जो बच्चे के मन में जिज्ञासा, संवेदनशीलता और आत्मविश्वास का संचार करे। शिक्षा वह दीपक है जो अंधकार को मिटाकर जीवन को दिशा देता है।

हमारा विद्यालय इस सिद्धांत पर चलता है कि ज्ञान के साथ संस्कार और नैतिकता का समन्वय ही वास्तविक शिक्षा है। हमारे शिक्षक न केवल विषयों का ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि विद्यार्थियों के जीवन में अनुशासन, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों का संचार भी करते हैं। वे हर बच्चे को यह विश्वास दिलाते हैं कि वह जो चाहे, वह कर सकता है - यदि उसके भीतर मेहनत और लगन की भावना है।

आज की तेज़ गति वाली दुनिया में जहाँ प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है, वहाँ बच्चों के लिए मानसिक संतुलन और सकारात्मक सोच बनाए रखना बहुत आवश्यक है। इस दिशा में संत मरियम स्कूल एक परिवार की तरह कार्य करता है - जहाँ हर विद्यार्थी को प्रोत्साहन, सुरक्षा और स्नेह का वातावरण मिलता है।

हमारी वार्षिक पत्रिका "अविराम" हमारे विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति, साहित्यिक रुचि और रचनात्मक अभिव्यक्ति का प्रतिबिंब है। इसके हर पृष्ठ में उनकी मेहनत, सोच और भावनाओं की झलक मिलती है। यह मंच उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को पहचानने का अवसर देता है।

प्रिय विद्यार्थियों,

याद रखिए कि जीवन में सफलता उन्हीं को मिलती है जो कठिनाइयों का सामना साहस के साथ करते हैं। असफलता से घबराने के बजाय उसे अनुभव के रूप में स्वीकार करें। हर दिन कुछ नया सीखने की कोशिश करें, क्योंकि सीखना ही जीवन की सबसे बड़ी यात्रा है।

अपने भीतर की अच्छाई को हमेशा जीवित रखें और जहाँ भी जाएँ, वहाँ प्रकाश फैलाएँ। मैं अपने सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों को धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने संत मरियम स्कूल को आज इस मुकाम तक पहुँचाया है। आपकी लगन, सहयोग और विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूँजी है।

मेरी शुभकामनाएँ हैं कि हमारे विद्यार्थी न केवल अपने विद्यालय का, बल्कि पूरे समाज का नाम रोशन करें। वे ईमानदारी, परिश्रम और संस्कार के बल पर एक बेहतर भविष्य का निर्माण करें।

अविनाश देव
चेयरमैन

SCIENCE EXHIBITION

प्रधानाचार्य की कलम से...

जब मैं संत मरियम स्कूल के प्रांगण में बच्चों की हँसी, उनकी जिज्ञासा और सीखने की उमंग को देखता हूँ, तो यह विश्वास और भी गहरा हो जाता है कि शिक्षा केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली शक्ति है।

संत मरियम स्कूल का उद्देश्य सदैव से यही रहा है कि हम अपने विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा दें जो उन्हें न केवल बौद्धिक रूप से समृद्ध बनाए, बल्कि भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक रूप से भी सशक्त करे।

हमारा विश्वास है कि हर बच्चा एक कहानी है - बस ज़रूरत है सही दिशा और प्रेरणा की, ताकि वह अपनी कहानी को सफलता में बदल सके।

हम ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ ज्ञान हर पल बदल रहा है, लेकिन मूल्य और संस्कार आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने पहले थे।

सच्ची शिक्षा वही है जो बच्चे के भीतर आत्मविश्वास जगाए, दूसरों के प्रति करुणा पैदा करे और जीवन में सही निर्णय लेने की क्षमता दे।

संत मरियम स्कूल में हमारा लक्ष्य है कि हर विद्यार्थी "अच्छा विद्यार्थी" ही नहीं, बल्कि अच्छा इंसान बने जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की शक्ति रखता हो।

मैं अपने सभी शिक्षकों को साधुवाद देता हूँ जो अपनी निष्ठा और समर्पण से बच्चों के भविष्य को आकार दे रहे हैं।

आप सभी अभिभावकों का भी हृदय से धन्यवाद करता हूँ, जो विद्यालय के हर कदम में विश्वास और सहयोग का साथ दे रहे हैं। और मेरे प्यारे विद्यार्थियों - आप सब हमारे विद्यालय की पहचान और गर्व है। आपकी मुस्कान, आपका परिश्रम और आपके संस्कार ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि हैं।

पत्रिका "अविराम" में आपकी सृजनात्मकता को देखकर मुझे विश्वास है कि आने वाला कल आपका है - उज्ज्वल, सशक्त और सार्थक।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि संत मरियम स्कूल शिक्षा, संस्कृति और उत्कृष्टता की इस यात्रा में निरंतर आगे बढ़ता रहे, और हर विद्यार्थी अपनी प्रतिभा से नए आयाम स्थापित करे।

कुमार आदर्श
प्रधानाचार्य

> **"सृजनात्मकता, करूणा और उत्कृष्टता से परिपूर्ण भविष्य का निर्माण में संत मरियम स्कूल की प्रतिबद्धता और प्रयासों की अविराम धारा।"**

Our School Family

छात्रावास अधीक्षक का संदेश...

छात्रावास अधीक्षक होने के नाते मैं पूरे निष्ठा के साथ कह सकता हूं कि छात्रावास जीवन हर विद्यार्थी के लिए एक अमूल्य अनुभव होता है। यह केवल रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि स्वावलंबन, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और सामूहिक जीवन के संस्कार सिखाने का माध्यम है। यहाँ विद्यार्थी सीखते हैं कि कैसे वे परिवार से दूर रहकर भी सहयोग, संवेदना और आत्मविश्वास के साथ जीवन जी सकते हैं।

संत मरियम स्कूल के छात्रवास का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को सुविधा प्रदान करना नहीं है, बल्कि उनके अंदर वह आत्मबल और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है जो उन्हें भविष्य में एक सफल और सशक्त व्यक्तित्व बनने में सहायक हो।

यहाँ का हर दिन एक नई सीख देता है - समय का मूल्य समझना, दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना। मुझे गर्व है कि हमारे छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थी विद्यालय के अनुशासन और परिश्रम के आदर्श उदाहरण हैं। वे न केवल पढ़ाई में उत्कृष्टता प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि खेल, कला, संगीत और सामाजिक कार्यों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

उनकी यही ऊर्जा और सकारात्मक दृष्टिकोण संत मरियम स्कूल को एक सच्चे शिक्षण परिवार के रूप में परिभाषित करता है।

विद्यार्थियों,

याद रखें - छात्रावास का जीवन आपको आत्मविश्वासी, दृढ़ और संयमित बनाता है। यह जीवन आपको यह सिखाता है कि सच्ची स्वतंत्रता जिम्मेदारी से जुड़ी होती है। सफलता उन्हीं के कदम चूमती है।

मैं आप सभी विद्यार्थियों से यही अपेक्षा करता हूँ कि आप अपने सपनों को साकार करने के लिए पूरी निष्ठा के साथ प्रयासरत रहें। एक-दूसरे की मदद करें, एक परिवार की तरह रहें, और अपने भीतर की अच्छाई को कभी खोने न दें।

जहाँ भी जाएँ, संत मरियम स्कूल का नाम गर्व से आगे बढ़ाएँ।

अंत में, मैं अपने सहकर्मी शिक्षकों, विद्यालय प्रशासन और सभी विद्यार्थियों को इस पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। "अविराम" केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि हमारी साझा यात्रा का प्रतीक है - एक ऐसी यात्रा जो निरंतर आगे बढ़ती रहेगी।

उत्कर्ष देव
छात्रावास अधीक्षक

Our Rank Holders

S6880
DIVYANSHI SINGH
(97.50% 1st)
NUR - A

S6869
RIYA KUMARI
(97.38% 1st)
NUR - A1

S8001
ADITI KUMARI
(94.88% 1st)
NUR - C1

H1521
PIYUSH KUMAR
(95.63% 1st)
NUR - G

S6366
RAYANSH RAJ
(95.88% 1st)
KG - A

S6984
RAUSHNI KUMARI
(96.63% 1st)
KG - A1

S6543
KRITIKA KUMARI
(97.00% 1st)
KG - A2

S6511
VIVAN AGRAWAL
(97.13% 1st)
KG - B

S6718
ROHIT SINGH
(96.50% 1st)
KG - C1

H1473
ARCHANA BHARTI
(97.13% 1st)
KG - G

S5405
ANYA TIWARI
(95.63% 1st)
PREP - A

S5093
DIPTI KUMARI
(96.63% 1st)
PREP - A1

S5476
PARIDHI KUMARI
(97.50% 1st)
PREP - A2

S5285
VISHWAS GUPTA
(97.13% 1st)
PREP - A3

S5810
NISHANT KUMAR
(97.13% 1st)
PREP - B

S5290
PIHU KUMARI
(96.63% 1st)
PREP - C1

H1451
AABHASH KR. SINGH
(96.75 % 1st)
PREP - G

H1468
RISHABH KUMAR
(96.75% 1st)
PREP - G

S5603
VANI GUPTA
(97.08% 1st)
I - A

S6767
SRITI LATA
(91.50% 1st)
I - A1

S5059
AARAV SONU
(93.33% 1st)
I - A2

S6241
SHIVAM KR KUSHWAHA
(91.25% 1st)
I - A3

S6745
AZKA WASIM
(95.75% 1st)
I - B

S6096
CHHAYA KRITIKA
(94.58% 1st)
I - C1

H1500
SHAURYAJEET LAL
(94.58% 1st)
I - G

S5055
ANJALI KUMARI
(96.33% 1st)
II - A

S4340
ADITYA RAJ GUPTA
(85.00% 1st)
II - A1

S6546
ANUJ KUMAR
(75.75% 1st)
II - A2

S5342
ADARSH KUMAR
(94.42% 1st)
II - A3

S5562
AROHI SINGH
(97.25% 1st)
II - B

Our Rank Holders

S5780
ISHWAR RAM
(84.58% 1st)
II - C1

H1546
ALIYA PRAVEEN
(93.83% 1st)
II - G

S5499
DIVYANSH KUMAR
(95.17% 1st)
III - A

S4125
ABHI SINGH
(92.00% 1st)
III - A1

S5429
NIRUPAM KUMAR
(86.92% 1st)
III - A2

S4448
ANKITA KUMARI
(88.42% 1st)
III - A3

S5422
ANSHIKA RAJ
(92.00% 1st)
III - B

S8052
AASTHA SINGH
(93.56% 1st)
III - C1

H793
NILESH RANJAN
(97.83% 1st)
III - G

H871
PRINCE KR YADAV
(95.17% 1st)
III - H

S3226
ANJALI AGRAWAL
(97.93% 1st)
IV - A

S4069
TANUSHREE KUMARI
(94.14% 1st)
IV - A1

S4268
AMAN KUMAR
(94.64% 1st)
IV - A2

S4447
SURYA PRAKASH
(87.57% 1st)
IV - A3

S4115
RAUNAK KUMAR
(94.50% 1st)
IV - B

H1076
AASHU KUMAR
(81.93% 1st)
IV - G

H1180
SATYAM KUMAR
(95.00% 1st)
IV - H

S3026
FIDA FATIMA
(95.14 % 1st)
V - A

S5821
KRITIKA RAJ
(92.29% 1st)
V - A1

S3238
PUSHKAR KUMAR
(88.00% 1st)
V - A2

S3125
SUNNY KR SINGH
(92.07% 1st)
V - A3

S3714
SAKSHI PATEL
(91.86% 1st)
V - A4

S4501
AAYUSH KUMAR
(88.71% 1st)
V - B

H1377
PRATAP KUMAR
(97.36% 1st)
V - G

H597
RAJ KAUSHAL
(91.57% 1st)
V - H

S246
RIDAN ALAM
(91.43% 1st)
VI - A

S4567
SONAKSHI SINGH
(89.93% 1st)
VI - A1

S4221
SONALI SHUKLA
(84.57% 1st)
VI - A2

S2914
BEAUTY KUMARI
(90.79% 1st)
VI - A3

S4430
KAJAL KUMARI PAL
(89.00% 1st)
VI - A4

Our Rank Holders

S3014
TAHSIN PRAWEEN
(95.14% 1st)
VI - B

H586
SHASHIKANT RANJAN
(92.93% 1st)
VI - G

H1552
DEVASHISH GUPTA
(87.64% 1st)
VI - H

S2392
YUSUF EQBAL KHAN
(89.57% 1st)
VII - A

S5316
SHIVAM KUMAR
(94.21% 1st)
VII - A1

S2261
ANMOL KUMAR
(81.71% 1st)
VII - A2

S3325
GAURAV KUMAR
(89.50% 1st)
VII - A3

H1132
ANKUSH KUMAR
(87.14% 1st)
VII - A4

S1322
SIMRAN KUMARI
(95.07% 1st)
VII - B

H1274
AMAN KUMAR SINGH
(95.71% 1st)
VII - G

H1098
ANAND SINGH
(87.21% 1st)
VII - H

S4568
SHIVANI KUMARI
(97.21% 1st)
VIII - A

S5723
ANAMIKA KUMARI
(92.79% 1st)
VIII - A1

S5334
RADHA KUMARI
(96.00% 1st)
VIII - A2

S2930
AMAN KUMAR
(86.71% 1st)
VIII - A3

S1315
ISHIKA AGRAWAL
(95.57% 1st)
VIII - A4

S6316
SONAKSHI KRI JAISWAL
(96.71% 1st)
VIII - B

H1215
ARCHNA KUMARI
(87.86% 1st)
VIII - G

H1375
AJEET KUSHWAHA
(96.14% 1st)
VIII - H

S869
ARYAN AGRAWAL
(95.42% 1st)
IX - A1

S4496
PRASUN KR TIWARI
(80.92% 1st)
IX - A2

S4701
KRISHNA KR PANDEY
(71.17% 1st)
IX - A3

S5741
SHIVAM KR PANDEY
(66.50% 1st)
IX - A4

S6327
RANJAN YADAV
(56.58% 1st)
IX - A5

H623
ABHINAV KUMAR
(83.00% 1st)
IX - G

H951
VIKASH KR YADAV
(90.00% 1st)
IX - H

H1588
ARSHLAN KADIR
(77.30% 1st)
XI - A

H333
SHRISTI KUMARI
(68.19% 1st)
XI - B

S3394
RIYA KUMARI
(77.44% 1st)
XI - C

S8024
SELVIN LAKRA
(67.44% 1st)
XI - D

Our Rank Holders

Our Toppers : 2024-25 (Class - 10th)

RAVIKANT KUMAR

95.8%

DIPANSHU PANDEY 95.4%

SIBTAIN RAZA 92.2 %

JIYA KUMARI 91.6 %

FALAK PARWEJ 91.6 %

ADARSH KUMAR 91.4 %

ANISH KUMAR CHAUHAN 91.4 %

NAVED AHMAD 91.4%

JYOTSANA KUMARI 91.2%

PRATYUSH KUMAR UPADHYAY 91 %

DURGA KUMARI 91%

NAINCY AGRAWAL 90.8%

PRANIT KUMAR 90.4 %

DIVYANSHU KUMAR 90.2%

Our Toppers : 2024-25 (Class - 12th)

SCIENCE (Maths)

AYUSH RANJAN SINGH 95.2

ADITYA GAURAV 90.6%

ADARSH AGRAWAL 85.2%

SCIENCE (Biology)

NIRAJ MAHTO 92.4%

SAKSHI KUMARI 81%

KINSHU KUMAR 78.8%

COMMERCE

ABHIJIT AGRAWAL 77.4%

ARYAN KUMAR MEHTA 75.8%

MOMINA KAUSAR 73.4%

AAM INSAAN

An Aam Insaan, or common man is the strength of society. He works hard everyday as a former, worker, teacher or shopkeeper and makes life easier for others.

Though his life is full of struggles like rising prices and limited income he lives with honesty and hope. His Simplicity and patience make him the real hero of the nation.

In truth, without the Aam Insaan, society cannot progress. He may seem ordinary, but his contibution is extraordinary.

Golu Kumar
Std. X 'A3'

THE IMPORTANCE OF TIME

Time is one of the most precious gifts of life. It is more valuable than money because once time is lost, it can never be regained. Those who respect time and use it wisely achieve success, while those who waste it often regret.

Every second counts. Students in particular, must learn to manage their time well. Proper use of time helps them balance studies, hobbies and rest. A disciplined routine not only reduces stress but also increases productivity and confidence.

History shows that great leaders, scientist, and thinkers valued time. They planned their work, avoided laziness, and made every moment useful. On the other hand, wasting time leads to missed opportunities and failure.

In conclusion, time waits for no one. It is like a river that keeps flowing. If we use it wisely, it becomes the key to success. If we waste it, no power can bring it back. Therefore, we must respect time, for it is truly the most important resource of life.

Golu Kumar
Std. X 'A3'

Liberty of a Child

Leave them alone as they are kids, give them something to say to their heart & desire give them wings to make them like you.

They have their own world end of life this is the Job of a teacher, not to go into his own space go and look in their space.

There is something different in them which is still suppressed in the world this is a request to the teachers, never oppose them.

There is such a fire inside the teacher that if he wants he can change their destiny. Let them think for themselves and find the way forward.

It is good that they become self-reliant, run and more forward in life. Let them spread their wings. The one who builds the family with great favour.

Karan Kumar
Std. X 'A3'

MY BELIEF IN MYSELF

I may face problems, I may make mistakes, but I will not give up. Every difficulty is a chance to learn, every challenges make me stronger. I have the power to stand up again and keep moving forward. Because, I believe in my self.

Aditya Kumar
Std. X 'G'

THE POLITICS OF ILLUSION

In our country, politics often becomes less about service and low level strategy.

Many Leaders present themselves as champions of development, but in reality, they frequently use the public for their own gain. During elections, citizens are showered with promises of free houses, nation building and money without jobs. These assurances may sound attractive but once elections are over, most of them vanish along with the leaders who made them.

Instead of focusing on long term solutions Like employment, skill development and infrastructure the public is often distracted with entertainment and temporary relief. Shows like the IPL, Big-Boss, Actors personal lives, reels viral challenge. Government mislead people in the name of religion act as modern “circuses” keeping people occupied while real issues remain unsolved.

The real problem lies in people's mindset. Many citizens believe that tree food and temporary benefits are enough - for survival. So they do not revolt. Those who want change often remain silent, tearing powerful individuals - Until this fear is broken, free progress will remain a distant dream.

As the Roman poet Juvenal once wrote,

“Give them bread and circuses and they will never revolt”

Amit Raj
Std. X 'A4'

Beauty of Jharkhand

Green forests, tall and wide, Rivers flow with gentle pride.
Hills and Rocks in morning light, Makes the land as lovely sight.
Birds are singing in the air, Waterfalls are shining fair.
bright, soil is red, Beauty lives where paths are spread.
Elephants walk through forest deep, Tigers in the shadows deep.
Pecocks dance when rains appear. Nature's wonders all are here.
Coal and Iron in mountain lie, Minerals wealth the land supplies.
Yet the trees and steams still show, Nature's gift in gentle flow.
Tribal songs in forest ring. Dance of life the people bring.
Nature keeps their spirits strong, Hearts in tune with earth's own song.
Sun sets down, the starts do shine, Jharkhand's charm is pure, divine.
Every season old or mew, Paints the land in colours tune.

Selvin Lakra
Std. XII 'D'

Plantation

BLOOD DONATION BY OUR ST. MARIAM'S FAMILY MEMBER

CAREER COUNSELLING

Favouring the Right !

Holi Embellishments

THE PENCIL'S COMPLAINT

One lazy morning in class, Rohit was chewing the top of his pencil while staring at the blackboard. Suddenly, he heard angry voice, "Excuse me! Do I look like sugarcane to you?"

Rohit jumped in shock and looked around. His friends were busy copying notes. This voice again, this time sharper. "Yes, you! stop biting my head. I was made to write stories, solve sums and draw dreams not to become your chewing toy!"

Rohit stared at the pencil in disbelief. "Wait ..... You can talk?" The pencil groamed," of course I can. You humans just don't listen. Do you know how hard I work? Every time you press me on paper give you words and ideas. And what do I get in return? Broken tips, lost erasers, and bite marks!, Rohit chuckled, "But, I only chew you when I'm nervous."

The pencil sighed dramatically" so I'm your buster now? Imagine if I would have chewed you everytime when I was stressed."

Rohit laughed so loudly that the teacher gave him suspicious look. Quickly, he wishpered to the pencil, "Alright, I got it. No more chewing. I'll use you properly."

The pencil softened its voice, "Good, because when you use me wisely, I can help you to write exams, letters, poems and may be even the story of yor life. But, if you waste me, both of us lose our purposes.

From that day onwards, Rohit never chewed pencil. Instead, he began to write more - poems, jokes and even a small diary. Each word reminded him of the lesson his little pencil had taught him.

"DON'T WASTE THE TALENTS THAT CAN HELP YOU TO CREATE SOMETHING BEAUTIFUL".

Naveen Minj
Std. XII 'D'

SACRED PLACE OF DALTONGANJ

In the heart of DTO, bright and fair,
St. mariam's rises with Care. A Place where dreams begin to grow.
With every Sunrise, young minds glow.
Books and laughter fill the air,
with teachers guiding us everywhere Lessons of Courage kindness and grace,
killed with joy in this Sacred place.
From morning prayers to final bell,
Each day holds a story to tell. We aim for Stars, with feet on ground,
In every soul, hope is found.
Oh! St. Mariam's, our guiding light,
You lead us from darkness into bright. forever proud, we'll sing your name,
With love, with pride, with endless flame.

Navneet Minz
Std. XII 'D'

Our Father

Our father plays a very important role in our lives. They always fulfill our demands but never said anything. They face many problems in their lives but they never show them to anyone-

They never show their emotion to us, when they feel sad we can't see it But when we sad, they always notice. They still make time to care for us.

That is our father, I love my father.

Nirjala Kumari
5 'A3'

FRIENDS

No gender, one religion.
Based on equality, no division Found them when I was alone,
will always remember when they are gone.
They laugh at me
When I'm on the ground
But feel safe and sound when they're around
One who deserves all my kindness,
always accepts my flaws and craziness
I hold every memory wherever I go,
when we are together. It seems like home.
Two bodies and minds are perfectly in sync,
not lees than euphoria, captures memories every time I blink

Aditya Vishwakarma
Std. X 'G'

My Favourite Hero

My favourite hero is my dad, who helped me in every situation. He is great for me because he always stood with me even if it was the worst situation. He is great for me because tie sacrificed his happiness, money, his wishes and everything for me. Do you know when the whole world is against you nobody trusts you and you are right then your father will stand with you. Whenever I fell and was in pain he gave me hope and strengthened my belief. He does not wear a costume like a hero does, but he was, is and will be my hero until my last breath. Some children after ask this father, what you have done for me? Replace this question with what you have not done for me? Thank your father for his generosity and apologize for my insincere words, For me "North or South, East or west my father is the best." I will cherish this until my last breath. Have you noticed any dearth in fooding, studying as entertainment? The answer is no remember one thing if you are responsible son then your father will work overtime to fulfil your wishes I promise you. I will love my father until my last breath that's my promise.

Love you Dad

Thank You!

Mayank Raj Prajapati
Std. VIII 'H'

Dream Achiever

Dream is nothing but a mindset towards our fufure. It is all about our action, perfection and consistency. If a person wants to achieve it nothing can stop him. If you believe in your dream and beauty of dream then you will never wait for anyone. such man has powerful mindset. “Do it, do now, do instantly. It means do it early as much as possible.

Don't care about defeat. just do it here”
It does not belong to those who only think about it.
It belongs to those who does not think about anything instead of it.
Every morning you have two option run for dream or sleep with dream.

Ajeet Kushwaha
Std. IX G

Thoughts

1. If you fail, Never give up because F.A.I.L Means "First attempt In Learning."

   End is not end, In fact E.N.D Means "Effort Never Dies".

   If you get No as an answer, Remember N.O. means "Next Opportunity".

   So, let's be positive

2. "Learning fosters creativity, Creativity fosters thinking,

   Thinking bestows upon knowledge and Knowledge makes you great".

3. Perfect maturity is when

   someone hurts you but you try to

   understand their situation and not hurt them back.

Anshu Kumar
Class- IX 'G'

Who Am I?

A boy obsessed of his results, a son ruining his father's hope.

a Student playing with his teacher's faith, thinking of all this in dark space.

A teen obsessed with his appearance. his hair, his eyes and high,

different opinions from low and high, making him interally shy and die.

Need a hope which gets him rule the deck. is to make his weakness a powerful strength, like a coal rubbed.

The golden thought to make his father proud, to build his teacher's faith and results make him proud.

Kumar Satyam, Std. IX 'G'

Our Future

Our Future Our progeny will be mechanical creations.

Everything in this world will be on screen

We often think it has to be seen.

In the future there will be no need of pen,

Paper, eraser And Only screens will rule.

Sourabh Kumar
Std. IX 'G'

Failure is a vital lesson for Success

* Failure is the first step to success.
* Success is good but failure is a teacher.
* Failure brings the more sincerity. opportunity to learn things
* It helps us in learning from our mistakes.
* Failures make us re think and reconsider to Find new ways and strategies, our goals to achieve
* Failures help us in gaining deeper experience and acquiring knowledge growth that widens our ways of growth.
* Failures give us the opportunity to bounce back, to learn from mistakes, and help us appreciate success.
* Failure is a part of the road to Success.
* Failure is the life's greatest teacher it builds. Our character and make us humble
* Failure starts where the limits success ends, and it is the limit of success.

Ansh Kumar Singh
Std. IX 'G'

5 Interesting and important facts that everyone should know

1. Most of the lipsticks contain fish scales and blood of buffaloes.
2. Just telling people to be creative, increases their creativity.
3. Wearing headphones for just an hour will increase the bacteria in your ear by 700 times.
4. The strongest muscle in the body is tongue.
5. Napping improves stamina and boosts creativity.

Ayush Kr. Yadav
Std. IX 'G'

GOAL

You have to fight with difficulties. You have to achieve victory.

What if you are alone, still you are the winner of difficulties.

You have to shine like the sun.

If you have to wake up at night like the moon, you have to tackle the impediments to your destination, and march towards the goal.

Nitish Kumar Yadav
Std. IX 'G'

POWER OF POSITIVE THINKING

Positive thinking is the key to a happy life, when we focus on happy and good things, we feel confident and calm, even in though times. Positive tough give us strength to work hard and move forward. Life becomes bright when we look at the challenges as opportunities. A positive mind creates a positive life.

Hard work and patience are the true pillars of Success. Hard work helps us achieve our goals, while patience teaches us to wait calmly for results. Together they build strength and confidence. Success never comes overnight, but with effort and patience, we can overcome challenges and reach our dreams. A patient heart and hard working spirit always wins.

Prashant Kumar
Std. X 'G'

HABITS

"Your habits will determine your quality of life" - Jeel confied.

Habits can make our life and future. If we inculcate good habits, they prove to be a boon for us. They lead us to the right path, they make us a right human being, if we pick up wrong habits, we inivite problems and deterioration. So one should be very particular regarding choosing habits.

Navnit Kumar
Std. X 'A'

Superhero of My life

My father is my superhero. He dedicates his whole life for me and my family. He always supports us in every situation. He teaches us moral values like respect, kindness, and honesty. He treats me like a Princess. He never fulfills his own desires because of us. Now it's your duty to dedicate our life to our Superhero. I will fulfill all his desires, just like he is fulfilling mine.

Superheroes are like they; that always stand for others but never for themselves.

We will stand for our superhero. Just like a river is incomplete without a bridge, we are incomplete without our father.

Tahsir Praween
Std. VII 'B'

School Life

Naina Soni

Aanchal Pandey

School life is the most memorable period of someone's life. Let us share one of our most fun and memorable stories. The story of "Independence Day" Independence day is the day when India got freedom from the British rule. But in school, it felt very different. We got the golden chance to participate in different activities. I took part in dance, Aanchal took part in dance, and Naina and Prashansa took part in acting.

We loved how we used to skip classes and practice all the time. That was our golden time. Some moments are very special, and we will never forget how we used to have a lot of fun together. These memories live in our hearts rent-free.

Std. 8 'A'

Manyata Sinha

Prashansa Sinha

Soliciting Our Esteemed Guests

ALL WORK AND NO PLAY MAKES JACK A DULL BOY

Raksha Bandhan Celebration

The Divine Power

WHERE THE MIND IS WITHOUT FEAR...

Life is a Lesson

Our whole life is a book, which contains many chapters

from which we learn valuable lessons.

We meet and lose people in our lives.

Which gives Valuable lessons

Sometimes we make mistakes and later we regret which is a valuable lesson.

Sometimes we deeply trust some people when they hurt or cheat us, we get depressed which is a valuable lesson.

In early stage of life we learn some lesson only learning lessons is not enough we also need to implement them.

Vaibhavi Rani
Std. VIII 'G'

Fail - "It does not mean you are a failure."

"Fail-does not mean you are a failure.

Failing means you tried and learned something new.

Every failure teaches us how to improve next time.

Many successful people failed before they won.

So, failure is just a step towards success, not the end."

Anjel Toppo
Std. VIII 'A'

Be Yourself

You See like everyone else.
You do like everyone does
You Work like others. You Will
remain like others
Because you are a replica of others.
You need to be a Visionary
You need to have better foresights
You need to work better than others.
You need to do Something different.
Other See the Problem
You have to find out the Solution
Other See the Pain
Your have to find remedy
Others See the gap
You have to build a bridge.
You have to find your own way
You have to Create your own world
Based on honesty and empathy
Being humble and deligent
Strive to 'be yourself'

Saurabh Kr. Tiwari
Std. X 'G'

Life

Life is very short my friend, so don't waste it.

Every second is precious to us so never let it go.

Be happy make yourself happy.

Life is very beautiful cherish every moment of life.

God has assigned certain duties to each and every creature.

everything has its own beauty

Its just that you have to see it in that way.

Piyush Kumar, Std. X 'G'

SIP with Mentors

Health is Wealth

Glimipses of our Activities

"Charity begins at Home"

Religious Remembrances

Kargil Vijay Diwas Celebration

Makarsankranti Celebration

Our Talented Buds

World Environment Day

Republic Day Celebration

Scholarship Award Ceremony

समुद्र के लहर

ऐ समुद्र के लहर,
लाता है अपनी लहरों की
आवाज से सबके दिलो में सुकून
से समुद्र की लहरें

जब अपनी लहरों को उछाल कर
लाता है, तो ऐसा लगता है जैसे
खुशियों की बहार लेकर आया हो
और जब वापस सब समेट कर पीछे
जाता है तो लगता है जैसे अपनी ओर
सारे दुःख समेट कर वापस जा रहा हो।

ऐ समुद्र की लहरें
तू तो देता है अपनी लहरों की
आवाज से सभी के दिलो को सुकून
लेकित खुद हमेशा हलचल करते रहता है
ऐ समुद्र के लहर
ऐ समुद्र के लहर

पलक राज
कक्षा : दशम् 'ए3'

मित्रता

मित्र वो जो साथ निभाए, सुख - दुख में कंधा बनजाए
हँसी बाँटे, आँसू सुखाए सच्ची राह पर चलना सिखाए

मित्रता है जीवन का रंग, दिल को देता मीठा संग
सच्चे मित्र है अनमोल रतन इनसे बड़ा नहीं है कोई धन

सच्चा मित्र जीवन का संग लाए हर दिन खुशियों का संग
दुख मे देता हिम्मत अपार मित्रता है, सबसे बड़ा उपहार।

-अभिनव वर्मा
कक्षा : सप्तम 'ए'

प्राकृतिक सपना

हरियाली की चादर में लिपटी धरती,
सपनों की दुनिया में खोई रहती।

नदियों की आवाज में संगीत है,
पेड़ों की छाया में शांति है।

फूलों की महक में खुशी है,
तितलियों की उड़ान में सपना है।

चाँद की रौशनी में नहाती रात,
सपनों की दुनिया में खो जाती है।

अनिका कुमारी
कक्षा : षष्ठी 4 'ए'

मेरे पापा

मेरे नन्हें - नन्हें पैरों से मुझे चलना है सिखाया।
मैं गिरती थी तो मुझे उठना है सिखाया ।
मेरी छोटी-छोटी जरूरत को पूरा करके
उन्होंने सच्चाई की राह में बढ़ना है सिखाया ।
सारे दरवाजे बंद हो गए तो प्रकाश की
बुंदो पर बढ़ना है सिखाया।
आकाश में मुझे स्वतंत्र होकर पक्षियों की तरह उड़ना है सिखाया ।
जिन चीजों को समझ न पाती उन चीजों का महत्व है बताया ।
पापा कहते हैं मुझे छोटी सी मुनिया,
पर वह नहीं जानते वही है मेरी सारी दुनिया।

-कृतिका राज
कक्षा : षष्ठी 'ए1'

एक छोटी चिड़िया का सपना

हरे-भरे जंगल में एक नन्ही - सी चिड़िया रहती थी। उसका नाम सुरभि था। वह बहुत छोटी थी और अभी तक ऊँची उड़ान नहीं भर पाती थी। हर दिन वह अपने घोंसले से आसमान की और देखती और सोचती - ''काश! मैं भी उन बड़े-बड़े पक्षी की तरह बादलों के पार उड़ पाती।''

उसके दोस्त अक्सर कहते - 'सुरभि, तुम इतनी छोटी हो, तुम्हे ऊंचाई से डर लगना चाहिए।'

एक दिन तेज आंधी आई। सब पक्षी अपने घोसलों में छिप गए, लेकिन सुरभि ने देखा कि एक फूल का पौधा आँधी में झुकते हुए भी टुटा नही। उसने सोचा, ''अगर एक नन्हा पौधा आँधी का सामना कर सकता है, तो मैं क्यों नहीं?''

अगली सुबह सूरज निकलते ही सुरभि ने अपने पंख फैलाए और उड़ने की कोशिश की। पहले यह नीचे गीर गई। फिर उसने दुबारा - तिबारा कोशिश के बाद भी वह उड़ न पाई। फिर कुछ कोशिश के बाद वह ऊपर उड़ने लगी।

फिर कुछ दिनों बाद अपने दोस्तो के सामने उसने उड़ के दिखाया, सारे दोस्त उसे कहने लगे, - तुम उड़ी कैसे?फिर सुरभि मुस्कुराई और बोली-''सपना देखने से ही शुरूआत होती है, और हिम्मत से सपना पूरा होता है।''

सीखः अगर हिम्मत और लगातार मेहनत हो, तो कोई सपना बड़ा नहीं होता।

-अनंत कुमार चंदेल
कक्षा - नवम् 'ए'

जल बनो तुम

जल बनो तुम सादा रहो, निरंग रहो तुम।
मत सुनो, मत देखो कम, जल बनो तुम, जल बनो तुम।।
वह बनो जो प्यास बुझाए, जो फसल बचाए, जो जान बचाए।
प्रकृति का सौंदर्य बनो तुम जहाँ जाओ एक आस बनो तुम।।
एक आस बनो तुम उसका, जो है प्यासा ।
तुम्हारे आते ही मिट जाए उसकी निराशा।।
डरो मत नदीं में उतरी, नदी से जाकर कुम लड़ो।
लड़ो उन चट्टानों से जो रोके तेरी मंजिल ।।
चिर दो उस चट्टान को जो रोके तेरी मंजिल ।
बहा ले जाओ उस तैराकों को दिखाए जो तुम्हें धमंड।
बुझा दो उस आग को जो दिखाए तुम्हें घमंड।।
मिल जाओ उस सागर में जिसमें मिल सका ना कोई।
क्यूँ रूकना है? मत करो तुम बढ़े चलो तुम ।।
जल बनो तुम, बढ़े चलो तुम

-अर्पित राज मिश्रा
कक्षा : दशम् 'ए2'

खासियत गुरूकुल संत मरियम का

गुरूकुल संत मरियम का, दिखाता पथ जीवन मंजिल का,
बांटता ज्ञान जन-जन में सफलता का
यही खासियत है गुरूकुल संत मरियम का।

बतलाता हमें, चलना संग-संग देखता नहीं कोई भाषा-भाषी, कोई रंग,
मंजिल की ओर हमे संग-संग नहीं सिखाता कभी करना जीवन भंग ।

सिखाता बखानने अम्रत वाणी, जो लगे सबको कोमल ध्वनि
नहीं कभी सिखाता कर्कस वाणी, जो करता जीवन हानी।

जगाता प्रबल इच्छा सफलता की बुलंदियों का,
जिससे न हो खतरा किसी प्राणी का,
पढ़ाता शिष्टाचार, वसुधैव कुटुम्बकम का,
यही खासियत हैं संत मरियम गुरूकुल का ।

जेम्स डुंगडुंग, कक्षा : बारहवीं 'डी'

मेरा विद्यालय

संत मरियम की छांव में जो पढ़ते हैं
वो सिर्फ किताबें नहीं जिंदगी भी पढ़ते हैं
जहाँ हर दीवार कुछ कहती है प्यार से
वही खड़े है अविनाश सर, ज्ञान की धार से

हर बात में सिखने का हुनर समाया है
हर मुस्कान में भविष्य का सपना लहराया है।
उनकी डाँट भी होती है ममता की मिसाल
उनकी शब्दो से बदलते हैं कई ख्याल

-लक्की अहमद
कक्षा - 'ए2'

गुरूवर का ज्ञान

प्रातः उठकर स्नेह से पहला करना काम माता-पिता गुरूवर के चरणों में प्रणाम ये है गुरूवर की ज्ञान 2 माता-पिता के प्रति कभी गलती न करना आप ऋणि रहे सर्वदा दुख पावे परिवार। ये है गुरूवर की ज्ञान 2 अच्छे काम करना और भलाई करना यही है गुरूओं का ज्ञान 2

सचिन कुमार,
कक्षा अष्टम 'बी'

पिता आसमाँ सा है

माँ जमी है। तो पिता आममाँ है। खुद की नयन से रोशन यह जहाँ है।

माँ के कदमों में जन्नत है तो पिता उसका दरवाजा है,
माता पिता साया है जिसके दुनिया में वही राजा है।
माँ-बाप को खुश रख, खुदा तुझसे खुश होगा
टल जायेगी मुसीबते सारी जीवन में न दुःख होगा।

प्रिया कुमारी
कक्षा - षष्ठी 'बी'

काँटा और हीरा

ये मुसाफिर, तू रूकता है क्यों ? पथरीली डगर देखकर डरता है क्यों? झुकता है क्यों ?
तुझे तो ठोकरे देर से लगे, उसका क्या, नियति ने जिसके लिए जख्म चुने,
पैर धरते ही धरा पर काँटे चुभे, बढ़ते पैर खून से सने, ये चोट, ये दर्द उसे भी खलता है,
छोड़ दे सब कुछ, मन उसका भी मचलता है, पर वो मुसाफिर कहाँ, वो तो खिलाड़ी था
जिसने नियति को नचाया, ऐसा वो मदारी था, वो तसल्ली से बैठ कर, काँटा निकालता,
आगे बढ़ते मुसाफिरों को, नजरों से टालता, फिर घाव भरने का इंतजार करता रहा,
पथरीली डगर पर प्रहार करता रहा, एक नई आशा के साथ, कदम बढ़ाता है,
और डेढ़ कदमों पर चल, नियति को हराता है, धीर उसका भी, अधीर हुआ था,
क्योंकि आँख खोलने से पहले, ही, चारों ओर धुँआ था,
पर किसको पता था, कि वो खिलाड़ी चालबाज था, खुली आसमान का परिंदा वो बाज था,
पैरों को छोड़ कर, पंखों से उड़ गया, फिर से जो काँटा चुभा, तो काँटा ही मुड़ गया
अब हौसले उसके, पहाड़ों से बड़े थे, शुक्रगुजार है वो, कि सफर में हजारों बाधाएँ खड़े थे,
अब वो पंछी अस्त्र-शस्त्र छोड़ कर, लड़ता था अपने पंखो को जोड़ कर,
टूट कर काँटा, हजार बार बिखरा, आँच से जब कोयला, हीरा बन कर निखरा
होगा ये तेरा फैसला, कि तू मिट जाएगा, तू टूट जाएगा,
या तू तोड़ जाएगा या डगर पर पैरों के छाप छोड़ जाएगा।।

-मनीता कुमारी
शिक्षका

मेरा गांव

मेरे दादा छूट गई, मेरी दादी छूट गई
मेरा गाँव छूट गया सबकुछ छूट गया
जब मैं शहर की ओर गया।
एक समय कि जब खुली हवा में साँस लेते थे,
अब यह दशा हो गई कि ऑक्सीजन मास्क लगाकर घूमते हैं
मेरा गाँव छूट गया गाँव की हरियाली छूट गई।

इस मोबाइल की दुनिया में सबका साथ छूट गया
एक समय था कि जब सब मिलने के लिए तरसते थे
पर अब इतने व्यस्त हो गए कि पास होकर भी भूल गए ।
सुनो ऐ भईयों-दीदी एक नजर गाँव की ओर
मत छोड़ो प्यारे दोस्त चलो फिर से गाँव की ओर ।।

सौरभ कुमार
कक्षा : सप्तम 'बी'

मेरी माँ

नौ (9) महीने अपने कोख में रखी,
खूब दर्द सहन कर मुझे जन्म दिया।
मेरी माँ मेरा गुरूर है. मेरी माँ मेरी जान है।
बचपन से पाल-पोष कर बड़ा की उंगली
पकड़ कर चलना सिखाई,
मुझे मेरे पैरों पर खड़ा होना सिखाई।
मेरी माँ मेरी मान है, मेरी माँ मेरा अभिमान है।
वह मेरी पहली गुरू वह मेरी प्यारी सी भोली सी माँ है।
मेरी माँ मेरा गौरव है, मेरी माँ मेरी जीवन है।
माँ के बिना जीवन अधूरा है, माँ से बढ़कर
इस दुनिया में कोई नहीं है।
मेरी माँ मेरी रक्षक है। मेरी माँ मेरी ताकत है।

नेहा कुमारी
कक्षा : षष्ठी 'बी'

Thoughts

1. On Dreams - "Dreams are like fingerprint unique to each person, but they always leave a mark on the world."
2. On curiosity: curiosity is the inner child trying to decode the adult would with wonder, no matter how Complicated.
3. What's the most important lesson I've learned so far in life, and how can I apply it to my current challenges.
4. What would I do if I know I couldn't fail?

Saroj Kumar, Std. VI 'A2'

Glimpses

Parents-Teachers Meet (Hostel)

Parents-Teachers Meet

Result Distribution

Sanskarshala

राधे कृष्ण मारे के मारे कृष्ण राखे के

महाराज अम्बरीश एक महान कृष्ण भक्त थे। उन्होने अपने सम्पूर्ण इन्द्रियों को भगवान की सेवा में लगा रखा था। वे अपनी आँखों से भगवान की सुन्दर मूर्ति (अचर्चा विग्रह) का दर्शन करते थे। कानों से भागवत कथा सुनते थे। नाक से भगवान के चरण-कमल पर अर्पित पुष्प और तुलसी दल का सुगन्ध सुंधते थे। जिहवा से कृष्ण प्रसाद का आस्वादन करते थे। त्वचा से भगवान भगवा को प्रणाम करके उनके चरण-स्पर्श का आनन्द लेते हैं. पैरों से चलकर मन्दिर जाते थे और अपने हाँथो से भगवान की आरती करते और उनके लिए प्रसाद बनाते थे। इस प्रकार उन्होने अपने सम्पूर्ण इन्द्रियों को भगवान की सेवा में लगा रखा था। भगवान भी उनसे बड़े प्रसन्न थे।

एक बार अत्यन्त क्रोधी ऋषि दुर्वासा अपने शिष्यों सहीत महाराज अम्बरीश से मिलने आए और उन्हें आदेश दिया कि उनके शिष्यों के लिए भोजन तैयार करके रखें तब तक के नदी से स्नान करके अपने शिष्यों सहित आते हैं। उस दिन एकादशी व्रत का पारण का दिन था। महाराज अम्बरीश को पारण करके एकादशी व्रत का समापन करना या और पारण का समय निश्चित होता है। निर्धारित समय पर फिर उस दिन उपवास रखना पड़ता है। इधर दुर्वासा स्नान करने गए और काफी विलम्ब करने लगे और उधर पारण का समय निकला जा रहा था। महाराज, अम्बरीश सोंच रहे थे कि पहले दुर्वासा ऋषि और उनके शिष्यों को भोजन करा लूँ, इसके बाद अन्न-जल ग्रहण कर के पारण करूंगा और एकादशी व्रत का समापन करूंगा। परन्तु पारण का समय समाप्त होने को आया. और दुर्वासा अपने शिष्यो सहित अभी तक स्नान करके नहीं आए जबकि उन सबों के लिए भोजन भी तैयार हो चुका था और भगवान को वह भोजन भोग भी लगाया जा चुका था। अन्ततः दुर्वासा के पारण की समयावधि में नहीं लौटने पर महाराज अम्बरीश ने तुलसी और जल ग्रहण करके एकादशी व्रत का पारण कर लिया परन्तु दुर्वासा ऋषि के सम्मान में अन्न ग्रहण नहीं किया क्योंकि वे सन्त-महात्माओं का बड़ा आदर करते थे। यह भक्त का स्वभाव होता है कि कि

वह अपने मान-सम्मान की परवाह करके सदेव दूसरों को मान-सम्मान देता है। इसलिए तो चौतन्य महाप्रभु ने कहा है:-

तृणादपि सुनीचेन, तरोरपि सहिष्णुना।
अभाविना मानदेन, कीर्तनीयः सदा हरिः।।

पारण कर लेने के पश्चात दुर्वासा अपने शिष्यों सहीत स्नान करके लौटे तो उन्हें पता चला कि उनके भोजन से पहले ही महाराज अम्बरीश ने पारण कर लिया और इस बात से वे अत्यन्त क्रोधित हुए। उन्होंने इसे अपना अपमान समझा। उन्होंने क्रोध में आकर अपनी जटाओं से एक लट तोड़ा और उसे अभिमंत्रित करके जमीन पर जोर से पटका। इस प्रकार उनके तपोबल और सिद्धियों के बल से एक विकराल राक्षस प्रकट हुआ जो महाराज अम्बरीश को भारने के लिए दौड़ा। अपने प्राणों को संकट में देखकर महाराज अम्बरीश ने आखरी बार भगवान कृष्ण (विष्णु) को याद किया। भगवान सदैव अपने भक्तों की रक्षा करते हैं। उन्होंने उस राक्षस का अन्त करने के लिए अपना सुदर्शन चक्र छोड़ दिया। राक्षस मारा गया और भक्त की रक्षा हुई। परन्तु वह सुदर्शन चक्र दुर्वासा को मारने के लिए उसका पीछा करने लगा और दुर्वासा उस चक्र से बचने के लिए अपनी जान बचाकर भागने लगे। वह ब्रम्हा और शिव के पास अपनी प्राणरक्षा के लिए-गए परन्तु उन्होंने स्पष्ट कह दिया कि विष्णु द्रोही या कृष्ण अन्त में वे भगवान विष्णु के पास गए। भगवान ने दुर्वासा से कहा कि हे दुर्वासा ! कदाचित मैं अपने प्रति किए गए अपराध को तो क्षमा कर सकता हूँ परन्तु अपने भक्त के प्रति किए गए अपराध को नहीं कर सकता। अतः यदि तुम्हें महाराज अम्बरीश क्षमा कर दें तो शायद जीवन बच सकता है। दुर्वासा पुनः पृथ्वी पर आए और महाराज अम्बरीश के चरणों पर गिरकर अपने अपराध के लिए उनसे क्षमा मांगा। वैष्णव स्वभाव से ही दयालु होते हैं। महाराज अम्बरीश ने उस वैष्णव अपराध को क्षमा कर दिया और सुदर्शन चक्र लौटकर पुनः भगवान विष्णु के पास चला गया। इस प्रकार दुर्वासा का जीवन बच गया और अपनी तपोबल और सिद्धियों का जो उनको अहंकार था वह अहंकार टूट गया। तो भगवान जिसकी रक्षा करते हैं उसे कोई मार नहीं सकता और यदि भगवान किसी को मारना चाहें तो उसे कोई बचा भी नहीं सकता। इसलिए कहा गया है:- जाको राखे साइयाँ। मार सके ना कोय।।

अतः हमें अपनी सम्पूर्ण इन्द्रियाँ, मन और बुद्धि भगवान की दिव्य प्रेममयी भक्तिमयी आध्यात्मिक सेवा में लगा देना चाहिए और भगवान को आनन्द देने के लिए, उनकी प्रसन्नता के लिए तथा उनकी इन्द्रियों को तुष्ट करने के लिए अपना तन, मन, धन तथा अपना सर्वस्व समर्पण कर देना चाहिए। यही मानव जीवन का सार है। क्योंकि केवल श्री भगवान की प्रसन्नता में ही जीव और जगत का कल्याण है और कल्याण का दूसरा कोई मार्ग नहीं है। इसलिए चैतन्य महाप्रभु ने कहा है कि ''हरेर्नाम हरेनीम हरेर्ना मैव केवलम्। कलौ नास्त्येव नास्त्येव नास्त्येव गतिरन्यथा ।।

हरे कृष्ण

-राघवेन्द्र रंजन
(शिक्षक संत मरियम एवं
इस्कॉन के दीक्षित भक्त)

गाँव से बिछड़ते शहर की ओर

जब मैं आया शहर की ओर मेरा गाँव मेरे अपने छूट गया
मेरे प्यारे मुझे गाँव दादा मेरा आँगन छूटा गए छूट गया दादी छूट गए हरियाली देखना छूट गया
मेरी आँगन छूटा मेरी दहलीज छूटी इसी के साथ मेरा गाँव छूटा।
मेरे नन्हें पैरों की बेड़ियों की झंकार वाली घर और आँगन छूट गई
वो झूठी पेड़ों पर रहने वाली भूतनी छूट गई
मेरा गाँव छूता तो ऐसा लगा कि
मैं अंदर से टूट गया गाँव छूट गया ।

रौशन कुमार राय, कक्षा : सप्तम 'बी'

मेहनत का रास्ता

हवा अगर तेज चले, तो पेड़ झुककर संभल जाते है नदी अगर पत्थरों से टकराए तो नए रास्ते निकल जाते है। जीवन भी ऐसा ही सफर है, रूकावते हर मोड़ पर आती है। पर जो हिम्मत से कदम बढ़ाए, उनकी मंजिले मुस्कुराती है। थोड़ा थकान, थोड़ा अंधियारा, सपनों को कभी मत रोकना गिरकर भी जो चलना सीखें वह जीत को पीछे मत हटना हार किसी की स्थायी नहीं, जीत किसी का संयोग नही जो हर दिन मेहनत करता है सफलता उसी का दुर्योग नही। हिम्मत है दीपक की लौ, जो आँधी में भी जलती रही है, विश्वास है पतवार की ताकत जो हर नाव को किनारे तक ले जाती है। राह कठिन हो, मंजील ऊँची हो बस हौसला दिल में जगाए रखना हर तूफान को जीत सकोगे, हिम्मत का रास्ता अपनाए रखना ।

गौरव कुमार, कक्षा : सप्तम 'बी'

भाई

सामने कभी इजहार नहीं करते,
कि वो एक-दूसरे से कितना प्यार करते।
हर वक्त बस लड़ते रहते कभी एक-दूसरे
को चैन नहीं देते।
पर अगर छू भी ले कोई वो मदद करने
में पीछे नहीं हटते।
ऐसा ही तो होता है भाई-बहन का रिश्ता जो बिन
कहे ही दिल से जुड़ जाते।
कभी दोस्त बनकर हंसाता है,
तो कभी पापा जैसे समझाता है।
कभी बहन बनकर दर्द पूछता है,
ले कभी माँ जैसे प्यार लुटाता है।
और भाई का फर्ज तो बखुबी निभाता है
हर मुसीबत में ढाल बन जाता है।

भाई बहन का रिश्ता कभी खून से नहीं जुड़ता है ये तो वो रिश्ता है जो प्यार और अपनेपन से जुड़ता है क्योंकि वो बचपन से ही तो हमारी हिफाजत करने का वादा करता है।

वैश्नवी रानी
कक्षा : सप्तम 'बी'

भगवान ने हमें सिखाया है कि जब भूख लगे तो रोओ। माँ-पिता ने सिखाया है कि जब खुद के साथ अन्याय हो तो बोलो। और शिक्षक ने सिखाया है कि किसी असहाय के साथ अन्याथ हो तो चिल्लाओ और इतनी जोर से चिल्लाओ की पूरी दुनिया गूँज उठे ।

अध्यापक

अध्यापक हमारे जीवन में अहम महत्व रखते हैं। ये हमें अच्छी शिक्षा देते हैं। यही हमें पढ़ना सीखाते हैं।

ये हमारी, मुश्किल समय में भी सहायता करते हैं।

जब हम कामयाब हो जाते हैं तब हम इनका शुक्रिया करते हैं।

क्योंकि यही हमें सही मार्ग दिखाते हैं और गलत रास्ते पर जाने से भी बचाते हैं।

यही हमारे मित्र भी, यही हमारे अध्यापक भी यही हमारे माता-पिता भी।

हम उन सभी अध्यापकों को शुक्रिया करते हैं जो हमें सही मार्ग पर चलना सीखाते हैं।

छाया कुमारी, कक्षा : पंचम 'बी'

माता-पिता

मेरे माता-पिता मेरे एक महान उपहार है। मैं अपने माता-पिता के बिना अपने जीवन की कल्पना नहीं कर सकती मेरे माता-पिता मुझे बहुत प्यार करते हैं। और हमेश मेरा ख्याल रखते है। मेरे पिता एक प्रबंधक तथा मेरी माँ एक गृहिणी है। मेरे माता जी बहुत मेहनती है। और मेरी सभी जरूरतों का ख्याल भी रखती है।

मेरे माता-पिता मुझे सुबह स्कूल और शाम, को पार्क ले जाते हैं। वे मुझे बहुत प्यार करते हैं। वे मुझे सोते समय कहानियाँ सुनाते हैं। वे अपने पिता और माता का भी बहुत सम्मान करते है।

अनुष्का राज, कक्षा - षष्ठी 'बी-

मेरा प्यारा परिवार

परिवार की बंधन में बंधे हैं हम सब प्यार और स्नेह की मूरत में रहते हैं हम सब।

''मेरा प्यारा परिवार''

परिवार के बिना जीवन सुना है, मेरा परिवार मेरी जिंदगी का आधार है।''
मेरा प्यारा परिवार''

आते है जब मुश्किलें जीवन में तब साथ हमारा देता है परिवार,

जीवन के हर सुख-दुख मे साथ हमारे देते हैं परिवार।
''मेरा प्यारा परिवार''

परिवार की डोर हैं काँच की तरह नाजुक, मत तोड़ो इसे एक छोटी सी गलती से।

जैसे धागा टूट जाए तो जोड़ना मुश्किल हो जाए,
वैसे ही परिवार बिखर जाए तो समेटना मुश्किल हो जाए।

''मेरा प्यारा परिवार''

जींदगी मिली है तो आनंद से व्यत्तीत करो अपने परिवार के साथ,
वो बहुत भाग्यशाली हैं जिनके पास होता है प्रिय परिवार।

''मेरा प्यारा परिवार''

सदा याद रखना, परिवार का प्यार हीं सच्चा प्यार है।

''मेरा प्यारा परिवार''

जिविका कुमारी, कक्षा : षष्ठी 'बी'

OUR ARTISTS

Our Game Zone

Teacher's Day Celebrations

Teacher Training Programme

Our Facilities

Our Strength

Hostel at a Glance

Diwali Celebrations
Affiliation No.: 3430393
ST. MARIAM
ST. MARIAM'S SCHOOL

School in News
बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर संत मरियम स्कूल में हुआ शिक्षक-अभिभावक संवाद
अभिभावकों व शिक्षकों के सकारात्मक संबंध से ही बच्चों के सपनों को मिलेगी नई उड़ान : अविनाश देव
अभिभावक व शिक्षकों के सकारात्मक संबंध से ही बच्चों के सपनों को मिलेगा पंख: अविनाश देव
खेलो इंडिया खेलो प्रतियोगिता में संत मरियम के छात्रों ने जीते मेडल
सामाजिक समरसता का पर्व है मकर संक्रांति : अविनाश देव
बच्चों ने संगीत, नृत्य व नाटक की प्रस्तुति कर मन मोह
वीरों की सांसों से लहर रहा है तिरंगा : अविनाश देव
संत मरियम स्कूल में करियर मार्गदर्शन सेमिनार का आयोजन
दिल्ली-कोटा जैसी उच्च स्तरीय शिक्षा विद्यार्थि को अब पलामू जिले में ही मिलेगी : अविनाश
विदा लेने वाले बच्चे देश लेवल पर अपनी पहचान बनाएं : अविनाश देव
मुंबई में आयोजित कराटे चैंपियनशिप में संत मरियम के कराटेकारों ने जीते चार मेडल
अविनाश देव ने दही-शक्कर खिलाकर परीक्षार्थियों को किया विदा
संत मरियम स्कूल के चेयरमैन ने दही- शक्कर खिलाकर परीक्षार्थियों को किया विदा
संत मरियम स्कूल के चेयरमैन ने दही, शक्कर खिलाकर परीक्षार्थियों को किया विदा
आंदोलनकारियों के खून पसीना का परिणाम झारखंड अलग राज्य : अविनाश देव
संत मरियम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित
समर्पण का परिणाम है बच्चों का उत्कृष्ट प्रदर्शन
नीट-आईआईटी की तैयारी पलामू में कर सकेंगे बच्चे
संत मरियम स्कूल में कैरियर मार्गदर्शन सेमिनार का हुआ आयोजन
आजाद सिपाही
संत मरियम स्कूल के वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित
अभिभावकों का संत मरियम पर भरोसा संस्कारयुक्त शिक्षा की परिणति : अविनाश देव
गुरुकुल पद्धति से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं संत मरियम के छात्र : पुलिस महानिरीक्षक

School in News

Chairman's Meet

Chairman's Meet

Career Path Chart

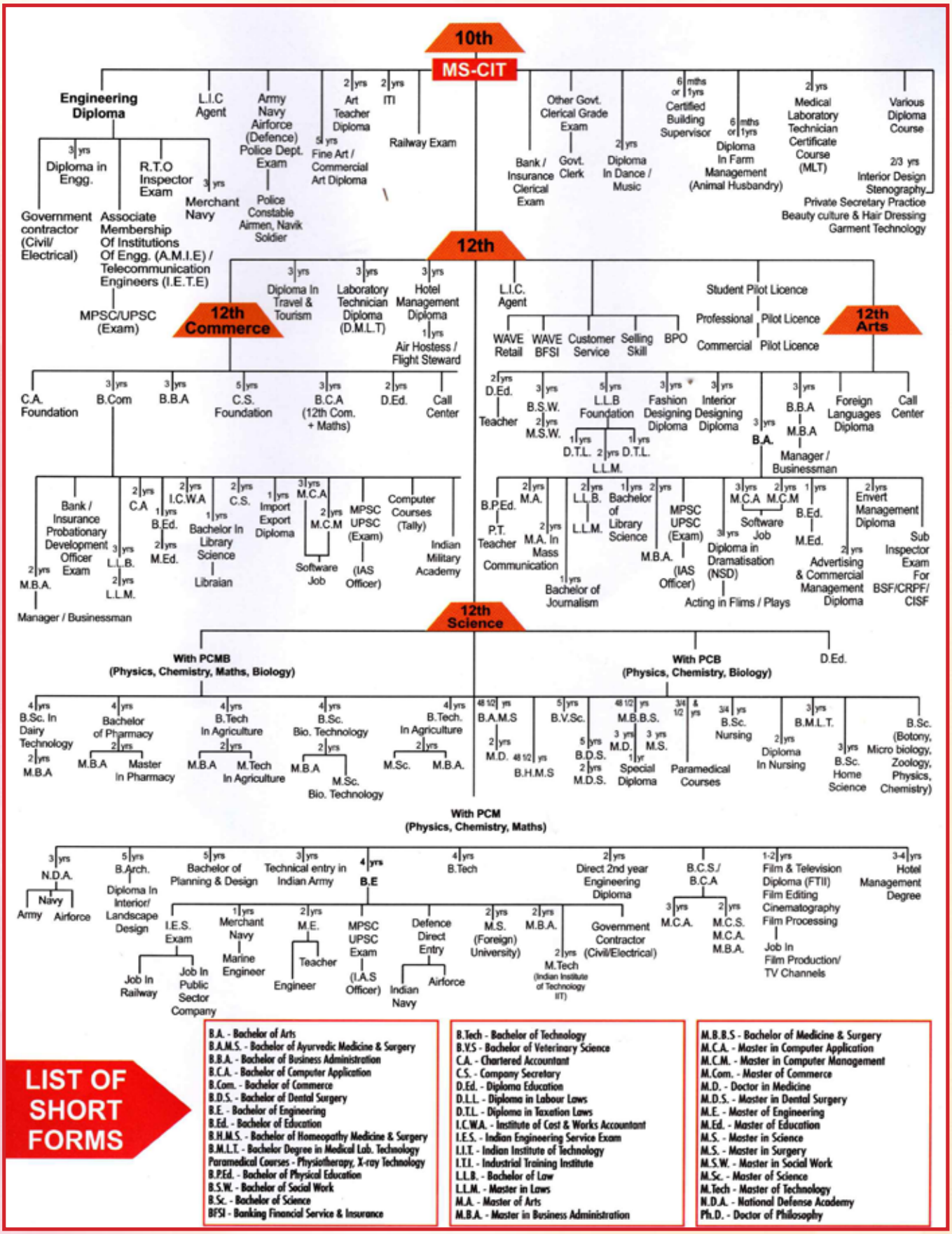

हिन्दुस्तान

YouTu
LIVE

REPORTER

में, लिए लुकाठी हाथ
चले हमारे साथ!!

जागरण

Affiliation No. : 3430393 www.stmariams.com School Code : 66596

THE FUTURE BEGINS HERE...

ST. MARIAM'S SCHOOL

Residential

In The Memory of Sumitra Devi

Run & Managed by Sumitra Foundation
Registration No. 934/24/2012

A Co-Educational English Medium School (10+2)

Near Railway Station, Kajri, Palamu, Jharkhand-822123
City Office :- Koyal River Side, Daltonganj, Palamu, Jharkhand-822101
Contact No. :- 06562-796343, 9955865321 (School Office), 9955865193 (Hostel Office)
Email :- stmariamsschool16@gmail.com